कार्यालय मुख्य नगर लेखा परीक्षक, नगर निगम गाजियाबाद

पत्रांक :–...../मु0न0ले0परी0/2020–21 दिनांक :–.....

पुनरीक्षित बजट समीक्षा 2019–2020

(आय व्यय एक नजर में)

क्र0 सं0	मद	2018–19 वास्तविक	2019–2020 वास्तविक (जनवरी–2020)	2019–2020 पुनरीक्षित/प्रस्तावित
1	2	3	4	5
1	प्रारम्भिक अवशेष	3202369509	3491765462	3491765462
2	आय	4381018844	3946343359	7236250000
3	योगः–	75833883353	7438108821	10728015462
4	व्यय	4091622891	3923935725	9525560000
5	अंतिम अवशेष	**3491765462**	**3514173096**	**1202455462**

पुनरीक्षित बजट 2019–2020 में अंकित आय की कतिपय मदों की समीक्षा

क्र0सं0	मद पुनरीक्षित बजटानुसार	2018–2019 (वास्तविक)	वर्ष 2019–20 में प्रथम दस माह (जनवरी–2020) तक वास्तविक	वर्ष 2019–2020 (प्रस्तावित)	वर्ष 2019–2020 पुनरीक्षित/प्रस्तावित
1	गृहकर	56,16,12,639	43,80,04,095	75,00,00,000	75,00,00,000
2	जलकर	39,11,57,368	31,39,28,288	45,00,00,000	45,00,00,000
3	सीवर कर	19,37,48,049	15,28,00,041	25,00,00,000	25,00,00,000
4	विज्ञापन कर	3,49,81,614	3,86,75,769	10,00,00,000	10,00,00,000
5	सामान्य लाईसेंस	1,13,68,863	80,45,359	1,50,00,000	1,50,00,000
6	स्वास्थ्य लाईसेंस	79,502	8,38,150	15,00,000	15,00,000
7	दुकान प्रीमियम	0	0	40,00,000	40,00,000
8	तरणताल	0	0	60,00,000	60,00,000
9	पार्किंग	2,24,33,613	1,14,41,693	5,00,00,000	5,00,00,000
10	मलबा शुल्क (जी0डी0ए0)	0	0	50,00,000	50,00,000
11	युजर चार्जिज	27,93,925	1,26,52,719	10,00,00,000	10,00,00,000
12	राज्य वित्त आयेाग	2,01,40,70,750	1,91,57,17,058	2,00,00,00,000	2,30,00,00,000

1. नकद परिसम्पत्ति एवं दायित्व का कोई विवरण बजट में नही था, मात्र आय एवं व्यय का अनुमानित विवरण अंकित किया गया था। यह उचित नहीं है। नियमानुसार नकद परिसम्पत्ति एवं दायित्व का विवरण बजट के साथ बनाया जाना चाहिए। इसे शीघ्र बनाकर प्रस्तुत किया जाए।

आय की विभिन्न मदों को बिना किसी औचित्य के अंकित किया गया था इससे यह काल्पानिक प्रतीत होता है। कतिपय उदाहरण निम्नलिखित है–

1. वर्ष 2019–2020 में गृहकर मद में 75 करोड़ का प्रावधान किया गया था। पुनरीक्षित बजटानुसार जनवरी 2020 माह तक 43 करोड़ 80 लाख की वसूली की गई थी। मात्र दो माह में क्या हम लक्ष्य प्राप्त कर पायेगे? जबकि वर्ष 2018–19 में मात्र 56 करोड़ रूपये ही वसूल किये गये थे। स्थिति स्पष्ट की जाए।
2. बजट 2019–20 में जलकर मद में रूपये 45,00,00,000 का प्रावधान किया गया था। पुनरीक्षित बजटानुसार जनवरी 2020 माह तक रूपये 31,39,28,288 की वसूली की गई थी। स्पष्ट किया जाए कि मात्र 2 माह में क्या प्रस्तावित लक्ष्य रू0 45,00,00,000 प्राप्त किया जा सकता है? जबकि वर्ष 2018–2019 में मात्र रू0 39,11,57,368 वसूल किये गये थे।
3. बजट 2019–20 में सीवरकर मद में रू0 25,00,00,000 का प्रावधान प्रस्तावित था जबकि 10 माह में जनवरी 2020 तक रू0 15,28,00,041 ही वसूल हो पाए। मात्र दो माह में क्या हम लक्ष्य रू0 25,00,00,000 प्राप्त कर पायेंगे? स्थिति स्पष्ट की जाए।
4. विज्ञापन कर से प्राप्त आय बजट 2019–2020 में रू0 10,00,00,000 प्रस्तावित थी तथा 10 माह में जनवरी 2020 तक रू0 3,86,75,769 वसूल किये गये। स्पष्ट किया जाए कि क्या प्रस्तावित लक्ष्य रू0 10,00,00,000 मात्र दो माह में प्राप्त किया जा सकता हैं? जबकि इस लक्ष्य हेतु मासिक औसत वसूली लगभग रू0 83,00,000 है।
5. पुनरीक्षित/प्रस्तावित बजट में सामान्य लाइसेंस मद हेतु रू0 1,50,00,000 का प्रावधान लक्षियत था तथा माह जनवरी 2020 तक लक्ष्य का केवल 54 प्रतिशत ही प्राप्त हो सका। स्पष्ट किया जाए कि शेष दो माह में लक्ष्य का शेष 46 प्रतिशत किस प्रकार प्राप्त किया जा सकता हैं? जबकि औसत मासिक वसूली रू0 12,50,000 (8.33 प्रतिशत) हैं।
6. प्रस्तावित/पुनरीक्षित बजट 2019–2020 में स्वास्थ्य लाईसेंस मद में प्रावधान रू0 15,00,000 का था। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु मासिक औसत रू0 1,25,000 की वसूली आवश्यक हैं। जनवरी 2020 तक 10 माह में मात्र रू0 8,38,150 वसूली हो पाई हैं। अतः स्पष्ट किया जाए कि शेष दो माह में क्या हम लक्ष्य को प्राप्त कर पायेगे जबकि मासिक वसूली 1,25,000 का दोगुना रू0 2,50,000 सम्भावित हैं।

7. दुकान प्रीमियम में 40 लाख का प्रावाधान किया गया हैं। स्पष्ट किया जाए कितनी दुकान विक्रय हेतु निर्धारित की गई है उसका विवरण प्रस्तुत किया जाए अन्यथा 40 लाख का प्रीमियम निर्धारित करने का औचित्य स्पष्ट किया जाए।
8. वित्तीय वर्ष 2019–20 के बजट में तरणताल के किराये से रू0 60,00,000 आय प्रस्तावित की गई थी जिसके सापेक्ष 10 माह में जनवरी 2020 तक शून्य आय प्राप्त हुई। बजट में दर्शाया गया है कि वर्ष 2018–2019 में भी तरणताल मद से कोई आय प्राप्त नही हुई थी। स्पष्ट किया जाए कि नगर निगम में कुल कितने तरणताल हैं? क्या वे संचालित नही हैं? इनको नियमानुसार संचालित किया जाए ताकि नगर निगम कोष में वृद्धि हो।
9. वित्तीय वर्ष 2019–20 के बजट में पार्किंग से रू0 5,00,00,000 आय प्रस्तावित थी जबकि जनवरी 2020 तक 10 माह में रू0 1,14,41,693 ही वसूल हो पाए। स्पष्ट किया जाए कि नगर निगम क्षेत्र में कुल कितने पार्किंग स्थल हैं? उनमें से कितने ठेके पर दिए गए हैं और कितने नहीं दिये गए? उन्हे ठेके पर न दिए जाने का कारण स्पष्ट किया जाएं। नियमानुसार ठेके प्रदान किये जाएं। ताकि नगर निगम की आय में वृद्धि हो।
10. वित्तीय वर्ष 2019–2020 के बजट में मलबा शुल्क (जी0डी0ए0) मद में रू0 50,00,000 की आय प्रस्तावित दर्शायी गई हैं। बजट के अनुसार जनवरी 2020 तक 10 माह में शून्य आय प्राप्त हुई तथा वर्ष 2018–2019 के बजट में भी इस मद से कोई आय प्राप्त नही हुई थी। स्पष्ट किया जाए कि क्या हम शेष 02 माह में पुनरीक्षित/प्रस्तावित वसूली रू0 50,00,000 कर पायेंगे।
11. वित्तीय वर्ष 2019–2020 के बजट में यूजर चार्जिज मद में रू0 10,00,00,000 प्रस्तावित थे तथा जनवरी 2020 तक 10 माह में रू0 1,26,52,719 ही पाप्त हो पाये। इतनी कम वसूली क्यों हुई कारण स्पष्ट किया जाए। नगर निगम के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त कर्मचारियों को यूजर चर्जिज की वसूली पर लगाया जाय अथवा इसकी वसूली हेतु ई–टेन्डर कर ठेका ऐजेसियों को प्रदान किया जाए ताकि नगर निगम को उचित धनराशि प्राप्त हो सके।
12. राज्य वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान को अनियमित रूप से बजट में अधिक दर्शाया गया। जनवरी 2020 तक 10 माह में रू0 1,91,57,17,058 राज्य वित्त आयोग से वास्तविक अनुदान प्राप्त हुआ था तथा बजट 2019–2020 में प्रस्तावित रू0 2,00,00,00,000 था इसके बावजूद भी पुनरीक्षित बजट में 2,30,00,00,000 दर्शाया गया है। इसका आधार स्पष्ट किया जाए।

पुनरीक्षित बजट 2019–2020 में अंकित व्यय (सार्वजनिक निर्माण विभाग)

क्र0 सं0	मद पुनरीक्षित बजटानुसार	2018–2019 (वास्तविक)	वर्ष 2019–2020 में प्रथम 10 माह (जनवरी 2020 तक (वास्तविक)	वर्ष 2019–2020 (प्रस्तावित)	वर्ष 2019–2020 पुनरीक्षित / प्रस्तावित
1	गत वर्ष में कराये गये निगम फंड के अनुरक्षण कार्यों के अवशेष	22,87,95,112	49,40,32,242	60,00,00,000	80,00,00,000
2	वार्डों के अनुरक्षण कार्य एवं मार्ग एवं सड़क निर्माण कार्य	31,18,94653	5,16,04,525	72,00,00,000	80,00,00,000

1. **गतवर्ष में कराये गये निगम फंड के अनुरक्षण कार्यों के अवशेष का भुगतान–** सार्वजनिक निर्माण विभाग में वर्ष 2019–2020 के इस मद में रू0 60,00,00,000 का बजट प्रावधान था। बिना किसी विवरण अंकित किये स्पष्ट किया जाये। कि किस आधार पर मार्च 2019 तक का बकाया रू0 60,00,00,000 था तथा किस आधार पर मार्च 2019–2020 तक का ही बकाया रू0 80,00,00,000 था। इस प्रकार रू0 20,00,00,000 किस आधार पर बढ़ाया गया है। स्पष्ट किया जाए।
2. वार्डों के अनुरक्षण कार्य एवं मार्ग एवं सड़क अनुरक्षण कार्य में वर्ष 2018–2019 में मात्र रू0 31,18,94,653 ही व्यय हुआ था वर्ष 2019–2020 में जनवरी 2020 तक मात्र रू0 5,16,04,525 ही व्यय किया गया था। वर्ष 2019–2020 के प्रस्तावित बजट में रू0 72,00,00,000 का प्रावधान था। मात्र 2 माह में किस आधार पर 80,00,00,000 पुनरीक्षित प्रावधान किया गया।
3. अग्रिम रजिस्टर नहीं प्रस्तुत किया गया था इससे असमायोजित अग्रिमों की स्थिति अस्पष्ट रही। इसे प्रस्तुत करके असमायोजित अग्रिमों का सत्यापन कराया जाए।
4. सम्परीक्षा में बार बार मांग किये जाने पर भी रोकड़बही एवं आय व्यय के सत्यापनार्थ कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसे प्रस्तुत किया जाए जिससे आय व्यय का मिलान किया जा सके।
5. रोकड़बही के मासान्त के अवशेष के सत्यापनार्थ बैंको की पासबुक प्रस्तुत की जाए जिससे अवशेष का मिलान किया सके।
6. प्रत्येक माह के अन्त में बैंक समाधान विवरण बनाकर प्रस्तुत किया जाए।
7. स्थायी अग्रिम का विवरण (यदि हो) प्रस्तुत करके सत्यापन कराया जाए।